WITWAVES
JOURNAL OF MULTIDISCIPLINARY RESEARCH
Vol-1 Issue-3
(International Peer-Reviewed E-Journal)
(December 2024)

हिंदी भाषा का बढ़ता स्तर

श्रीमती वंदना शुक्ला
शोधार्थी - हिंदी

शोध सार

हिंदी भाषा को विश्व स्तर पर देखा जाए तो यह तीसरे स्थान पर सबसे ज्यादा बोली जाने वाल भाषा है यह विश्व के 132 देश जो भारतीय मूल के लोग हैं जिनकी संख्या लगभग दो करोड़ है यह हिंदी भाषा के माध्यम से ही अपना कार्य निष्पादित करते हैं।

सृष्टि के निर्माण कल से ही भाषा एवं मानव समाज का घनिष्ठ संबंध रहा है मानव के विचारों की अभिव्यक्ति का जितना अच्छा साधन भाषा है, इतना अच्छा साधन कोई और नहीं है इससे व्यक्ति अपने भावों और विचारों की अभिव्यक्ति सरलता से कर सकता है। जिस तरह प्रत्येक राष्ट्र की अपनी पहचान के लिए राष्ट्रीय चिन्ह, राष्ट्रीय गान की आवश्यकता होती है उसी तरह प्रत्येक देश की पहचान के लिए भाषा की भी आवश्यकता होती है।

बीज शब्द

महत्व, भाषा, स्तर, प्रसार, हिंदी भाषा।

शोध विस्तार

भारत देश विशाल क्षेत्र में फैला विकासशील देश है। इस विशाल क्षेत्र में निवास करने वाले जन समूह के विचार विनिमय का साधन अधिकांशत हिंदी है। जैसा कि भारतेंदु हरिश्चंद्र ने अपने विचारों में व्यक्त किया है कि "चार कोश पर पानी बदले 8 कोश पर वाणी/ 20 कोस पर पगड़ी बदले 30 कोस पर धानी" उपर्युक्त युक्ति आज भी चरितार्थ होती है। हिंदी भाषा को बोलने एवं समझने के आधार पर यह जनतांत्रिक विश्व भाषा है क्योंकि यह विश्व में तीसरे स्थान पर संप्रेषण का माध्यम बनी हुई है हिंदी अपनी संस्कृति के कारण एशियाई देशों में विशिष्ट भूमिका

रखती है। इसलिए यह एशियाई भाषाओं से अधिक एशिया की प्रतिनिधि भाषा है। यह संयम समृद्धि सरल सहज है हिंदी भाषा अंतरराष्ट्रीय जगत अपने भीतर छुपाए हुए है। हिंदी समृद्ध भाषा है और यह आर्य, द्रविड़, पुर्तगाली, अंग्रेजी, फ्रेंच, आदिवासी, स्पेनी, जापानी, अरबी, फारसी, चीनी, जर्मन के शब्द को उजागर करती है। जिससे अंतरराष्ट्रीय वसुधैव कुटुंबकम की प्रवृत्ति समाहित किए हुए हैं। "हिंदी विश्व की समृद्धतम भाषाओं में एक है राजभाषा के रूप में हिंदी का प्रयोग भारतीय संविधान के निर्माण के साथ ही प्रारंभ नहीं हुआ वर्णन उसके बहुत पहले विभिन्न रूपों में हो चुका था।"[1]

हिंदी का स्तर चाहे बोलचाल की दृष्टि से हो या साहित्यिक हो यह विश्व स्तर पर प्रगति कर रही है। हिंदी भाषा की भाषिक अनुवाद की स्थिति में निरंतर उन्नति हो रही है इसमें उच्च गुणवत्ता का प्रसार हो रहा है पत्र पत्रिकाओं शोध पत्रों के माध्यम से अनुवादी कारण में गति प्रदान हुई है प्रयोजन्मूलकता से विश्व स्तरीय शब्द कोशिका निर्माण हो रहा है।

"भाषा प्रयोगशाला में कंप्यूटर एक नई उपलब्धि है वैसे तो इस यंत्र का मशीनी अनुवाद कृत्रिम वाक संश्लेषण पाठ विश्लेषण कोष निर्माण विज्ञान आदि कई क्षेत्रों में सार्थक उपयोग हो रहा है पर भाषा शिक्षण में इधर तेजी से इसका उपयोग बड़ा है नई भाषा सीखने के उत्सुक छात्र इसकी सहायता से प्रभावी रूप से और कम समय में इसके माध्यम से भाषा सीख सकते हैं।"[2] कंप्यूटर में भी वर्तमान समय में हिंदी भाषा को सीखने के लिए नए-नए उपकरणों एवं यंत्रों का प्रयोग किया गया है। इंटरनेट पर हिंदी लोकप्रिय और स्वीकार भी हो रही है। यह देश-विदेश में प्रकाशित होने वाली पत्रिकाओं में हिंदी का उपयोग करने से विश्व भाषा बन गई है। हिंदी के विकास के लिए विदेश मंत्रालय द्वारा हिंदी एवं संस्कृत प्रभाग का गठन किया गया है। इसका उद्देश्य देश-विदेश में विभिन्न गतिविधियों को संयोजित करना है।

"भाषा मानव जीवन तथा मानव समाज का अभिन्न अंग है इसके द्वारा न केवल विचारों सूचना तथा भावों को संप्रेषण होता है अपितु तथ्यों के आकलन चिंतन एवं समस्त व्यवहार का आधार भी भाषा ही है।"[3] उपर्युक्त बिंदुओं के आधार पर कहा जा सकता है कि मनुष्य अपनी

भावा- भिव्यक्ति के साधन को भाषा कहा जाता है। "भारत में हिंदी की जो स्थिति आज है उसकी चर्चा ना करते हुए हिंदी विकास में योगदान देने वाले उन भारतीय विद्वानों राजनीतिज्ञों और महापुरुषों का नाम निर्देश ही पर्याप्त होगा जिनकी दृष्टि में हिंदी भारत की राष्ट्रभाषा ही होने का पूरा अधिकार रखती है।"[4] हिंदी के प्रचार हेतु विदेश में दूतावासो के माध्यम से हिंदी प्रचार प्रसार में लगी संस्थानों में कक्षा का संचालन किया जाता है और अन्य गतिविधियों के लिए अनुदान देती है। अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में हिंदी सम्मेलनों का आयोजन भी कराया जाता है। वर्तमान समय में हिंदी का प्रयोग 12 से अधिक देशों में बहुसंख्यक समाज की मुख्य भाषा के रूप में हो रहा है। हिंदी भाषा का प्रभाव विश्व स्तर पर बढ़ता जा रहा है और इसका जितना प्रांतीय क्षेत्रीय भाषा में प्रचार प्रसार करेंगे उतनी ही तेजी से भारत में भी इसका महत्व बढ़ रहा है।

हिंदी को भारत की संपर्क भाषा के रूप में प्रयुक्त कर स्वतंत्रता की लड़ाई लड़ी। जिसमें महात्मा गांधी, पंडित नेहरू, रविंद्र नाथ ठाकुर, मौलाना अबुल कलाम आजाद, डॉ. अंबेडकर, सी. राजगोपालाचारी, सुभाष चंद्र बोस सभी ने मुख्य भूमिका निभाई है। भारत सरकार द्वारा जिन लोगों के द्वारा हिंदी भाषा के लिए कार्य कर रहे हैं उनके उत्साह वर्धन के लिए शासन द्वारा पुरस्कार योजना के अंतर्गत शील्ड प्रदान की जाएगी। हिंदी के लेखन कार्य के लिए सरकार पुरुष प्रधान करती है इन योजनाओं की क्रियान्वयन सी हिंदी भाषा के प्रचार प्रसार हो रहा है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए कहा जा सकता है कि भारत देश में सबसे अधिक हिंदी भाषी लोग हैं और हिंदी को राष्ट्रभाषा का दर्जा दिये जाने मैं कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। साथ ही साथ हिंदी को संयुक्त राष्ट्र संघ की भाषा में सातवीं अधिकारी भाषा की उपाधि दी जानी चाहिए।

"1950 -51 मे इस मंत्रालय के अंतर्गत प्रथम हिंदी सलाहकार समिति का गठन किया गया। जिसके अंतर्गत पत्र सूचना कार्यालय फिल्म प्रभाग संगीत नाटक प्रभात प्रकाशन विभाग आकाशवाणी और दूरदर्शन आते ही जो हिंदी संबंधी कार्य में विशेष योगदान कर रहे हैं।"[5] हिंदी भाषा के लिए जल्दी ही वह समय आएगा जब वह विश्व के लिए गौरांवित भाषा बन जाएगी और उसकी उसकी उपेक्षा की दृष्टि से न देखा जायेगा।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. अनिरुद्ध पाठक/ प्रयोजनमूलक हिंदी/ अर्जुन पब्लिशिंग हाउस/ पृष्ठ क्रमांक 75
2. डॉ. उषा शुक्ला/ हिंदी भाषा/ कैलाश पुस्तक सदन भोपाल / पृष्ठ क्रमांक 211
3. डॉ.राजेश श्रीवास्तव "शम्बर" / भाषा विज्ञान/ कैलाश पुस्तक सदन भोपाल/ पृष्ठ क्रमांक 81
4. किरण प्रभा/ राजभाषा हिंदी विकास एवं महत्व/ अर्जुन पब्लिशिंग हाउस/प्रश्न क्रमांक 11
5. डॉ.संजीव कुमार जैन/ व्यावहारिक एवं कार्यालयीन हिंदी / कैलाश पुस्तक सदन भोपाल/ पृष्ठ क्रमांक 12